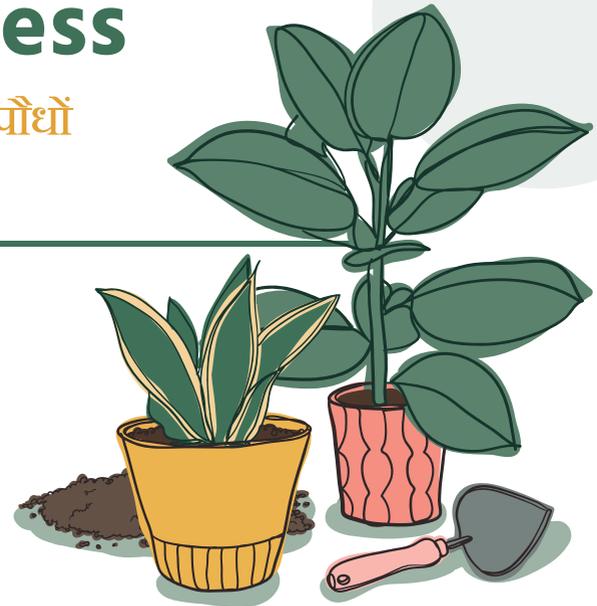




# Seeds Of Happiness

(इनडोर पौधों, औषधीय पौधों और बाहरी पौधों  
के बारे में जानकारी)

विरल देसाई



# यह पुस्तिका क्यों?

2016 में वृक्षारोपण की मेरी यात्रा दस वर्ष की हो जायेगी। पिछले सात वर्षों में, मैंने कई वृक्षारोपण अभियान चलाए हैं, जिसके दौरान मैंने लगभग 3,50,000 पेड़ लगाए हैं। इसलिए 'स्वच्छ भारत हरित भारत', 'ट्री गणेशा' या 'सत्याग्रह अगेईन्स्ट पोल्युशन एन्ड क्लायमेटचेन्ज' जैसे कई जागरूकता अभियानों के माध्यम से, मैंने दो लाख से अधिक लोगों के साथ बातचीत की है। मेरे वृक्षारोपण अभियान या जागरूकता अभियान के दौरान, मैंने देखा है कि बहुत से लोग पेड़-पौधे लगाना पसंद करते हैं। लेकिन विडम्बना ये है कि या तो लोगों को सही जानकारी नहीं है. या फिर वे गुमराह हैं. कुछ लोगों का यह भी मानना था कि घर में या उसके आस-पास पेड़-पौधे होने से मच्छर दूर रहेंगे!

हालाँकि, वास्तविकता यह नहीं है। मच्छर लोगों की लापरवाही से आते हैं। इसके लिए पेड़-पौधे जिम्मेदार नहीं हैं! इसलिए कुछ लोगों को डर है कि घर या कार्यालय में पौधों का रख-रखाव करना कठिन होता है! इसलिए वे पौधे नहीं लगाते. वहीं



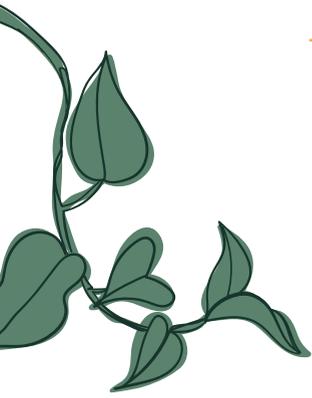


दूसरी ओर उनके आसपास पेड़-पौधे या हरियाली की कमी के कारण वे मानसिक तनाव या अवसाद का शिकार हो जाते हैं! इसके अलावा, कई बार बच्चे मेरे पास आते हैं और पूछते हैं कि हम पौधे लगाना चाहते हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि किस तरह के पौधे लगाएं।

लोगों के ऐसे ही कुछ प्रश्नों या चूकों के कारण मैं पिछले कुछ वर्षों से एक तैयार कैलकुलेटर तैयार करने के बारे में सोच रहा हूँ जिसमें कुछ बुनियादी जानकारी शामिल हो। जो लोग वृक्षारोपण में रुचि रखते हैं या जो बागवानी के शौकीन हैं, उनके पास पौधों का नवीनतम ज्ञान और संग्रह हो सकता है। साथ ही ऐसे लोग सप्ताह में चार-पांच घंटे अपने पौधों के पीछे बिताते हैं।

लेकिन समय किसके पास नहीं है. या जिन्हें पौधों के बारे में बुनियादी जानकारी नहीं है या जिन्हें बागवानी का शौक नहीं है, उन्हें भी पौधों की ज़रूरत है! इसलिए मैंने यह सामग्री उन लोगों के लिए तैयार की है, जिसका उपयोग वे अपने घर या





---

कार्यालय के पौधों के लिए कर सकते हैं। और पौधों से दोस्ती करें और उनकी ताजगी, स्वच्छ हवा और सकारात्मक मानसिक प्रभावों का लाभ उठाएं।

यहां दी गई सूची संपूर्ण नहीं है। इसके अलावा ऐसे सैकड़ों पौधे हैं जिन्हें घर या ऑफिस में रखा जा सकता है। इसके अलावा घर की बालकनी या खिड़की में गुलाब, गलगोटा, लिली या मोगरा जैसे फूल वाले पौधे भी उगाए जा सकते हैं। लेकिन यहां सूचीबद्ध पौधे विशेष रूप से इनडोर क्षेत्रों में उगाए जा सकते हैं। साथ ही ऐसे पौधे जिन्हें कम देखभाल से उगाया जा सकता है! साथ ही ये पौधे स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी होते हैं।

आशा है पाठकों को मेरा यह संकलन पसंद आएगा। साथ ही शुभकामनाएँ कि इस पुस्तिका के माध्यम से आपके जीवन में खुशियाँ आयेंगी, आपका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप सदैव प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहेंगे।

- विरल देसाई

# घरों के भीतर लगाए जाने वाले पौधे

## ऐरेका पाम

- रखरखाव करना बेहद आसान
- दो दिन में एक बार दो गिलास पानी दिया जा सकता है
- घर के अंदर आने वाले विषैले पदार्थों को सोखकर घर के अंदर की हवा को साफ रखता है।
- यह विशेष रूप से कार्सिनोजेनिक फॉर्मेलिन डिहाइड को अवशोषित करता है।
- अत्यधिक उच्च स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है।
- घर में हल्की धूप वाली जगह पर रख सकते हैं। या इनडोर सुपारी के पौधों को महीने में एक बार कुछ मिनटों के लिए सूरज की रोशनी में रखा जा सकता है।
- वास्तु की दृष्टि से भी यह पौधा घर के लिए उत्तम है।
- इस पौधे की ऊर्जा से घर में सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है।



## मनी प्लांट

- खूबसूरत लताएँ जिन्हें पानी या गमले में रखा जा सकता है।
- वैज्ञानिक मनी प्लांट को प्राकृतिक शोधक भी कहते हैं।
- घर के अंदर की हवा से कार्बन मोनोऑक्साइड, ज़ाइलीन, बेंजीन और टोल्यूनि को अवशोषित करता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा घर में शांति का वास करता है।
- घर में हवा में नमी का स्तर सही रहता है, जिससे घर ठंडा रहता है।
- अपने हरे रंग के कारण यह मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और चिंता या अवसाद को दूर रखता है।
- घर को एक अनोखी सुंदरता प्रदान करता है।
- यदि यह पौधा पानी में है तो हर सप्ताह नियमित रूप से पानी बदलें। और अगर गमले में है तो दिन में एक बार एक गिलास पानी डालें।





## स्नेक प्लांट

- इसके पत्ते सांप की तरह निकले हुए होते हैं, इसलिए इसे स्नेक प्लांट कहा जाता है।
- यह पौधा बहुत कम रखरखाव वाला और देखभाल करने में बहुत आसान है।
- इस पौधे को प्राकृतिक शोधक के रूप में भी जाना जाता है।
- हवा में मौजूद विषैले पदार्थों को अवशोषित करके हवा को शुद्ध करता है। रात में भी हवा से 87% तक विषाक्त पदार्थों को अवशोषित कर सकता है।
- फेंगशुई के अनुसार यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है।
- इस पौधे को घर या ऑफिस में रखने से मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- महीने में एक बार इसे बाहर निकालकर धूप में दिखाया जा सकता है।

## स्पाइडर प्लांट



- नासा के स्वच्छ वायु अध्ययन से साबित हुआ कि मकड़ी के पौधे 24 घंटों के भीतर घर या कार्यालय में 95% तक वायुजनित विषाक्त पदार्थों को अवशोषित कर लेते हैं।
- घर और ऑफिस के अंदर नमी को बढ़ाता है, जिससे घर और ऑफिस के अंदर ताजगी का एहसास होता है।
- इस पौधे को घर या कार्यालय में स्थापित करने के बाद न्यूनतम देखभाल की आवश्यकता होती है।
- घर की खूबसूरती बढ़ती है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार इस पौधे के घर में होने से घर में सुख-समृद्धि भी आती है।
- इस पौधे को हर दो दिन में एक बड़ा गिलास पानी दिया जा सकता है। इस पौधे को अधिक पानी देने की आवश्यकता नहीं होती.

## पिसिलिली

- पौधे प्राकृतिक वायु शोधक की श्रेणी में आते हैं।
- हवा से विषाक्त पदार्थों को अवशोषित करके हवा में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाता है।
- पिसिलिली की सफेद पत्तियां भी घर में खूबसूरत खुशबू बनाए रखती हैं।
- पिसिलिली एक सजावटी पौधा होने के साथ-साथ घर के माहौल को भी काफी सकारात्मक रखता है।
- इस पौधे के आसपास रहने से चिंता कम होती है और मन प्रसन्न रहता है।
- विशेषज्ञ भी शयनकक्ष में पुदीना रखने की सलाह देते हैं, जिसकी खुशबू से रात को अच्छी नींद आती है।
- यह पौधा कम धूप में भी आसानी से उग सकता है, हालांकि इसे दिन में नियमित रूप से एक गिलास पानी देना चाहिए।



## एलोवेरा

- आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा उत्तम है ।
- इसके लिए कम पानी की आवश्यकता होती है और यह कम धूप में भी आसानी से उग सकता है ।
- अगर इसकी नियमित उपस्थिति को बनाए रखते हुए इसे ठीक से ट्रिम किया जाए तो यह घर या कार्यालय के सौंदर्यशास्त्र को भी बढ़ाता है ।
- इसके जेल का सेवन कई तरह से किया जाता है । एलोवेरा जेल त्वचा की देखभाल या बालों की देखभाल के लिए उत्कृष्ट है ।
- इसका जूस भी एक बेहतरीन इम्यून बूस्टर है ।





## फिलोडेंड्रोन

- इन पौधों की कई प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- अपनी बड़ी और फैली हुई पत्तियों से यह पौधा घर या ऑफिस की शोभा बढ़ाता है।
- यह पौधा हवा से फॉर्मल्डिहाइड को भी हटाता है।
- इस पौधे के आसपास रहने से तनाव दूर होता है और मन प्रसन्न रहता है।
- बेडरूम में इसकी मौजूदगी से नींद भी बहुत अच्छी आती है।
- हरा-भरा होने के कारण यह घर में सकारात्मक ऊर्जा भी बनाए रखता है।
- इस पौधे को कम देखभाल की आवश्यकता होती है। इसकी पत्तियों को नियमित रूप से काटना पड़ता है. साथ ही इस पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करना होगा।

## खर प्लांट



- इस पौधे को अधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है। इसे घर पर आसानी से किया जा सकता है।
- यह हवा से कार्बन को अवशोषित करता है और अधिक ऑक्सीजन छोड़ता है।
- फेंगसुई के अनुसार यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि बनाए रखता है।
- यह पौधा कम रोशनी वाले क्षेत्र में भी आसानी से खड़ा रह सकता है।
- यह पौधा रात में भी काफी मात्रा में ऑक्सीजन छोड़ता है इसलिए अच्छी नींद के लिए इस पौधे को बेडरूम में रखने की सलाह दी जाती है।

## बांस

- बांस की कई प्रजातियां हैं, जिनमें से कुछ का उपयोग इनडोर पौधों के रूप में किया जा सकता है।
- वास्तु और फेंगशुई दोनों के अनुसार, बांस घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।
- प्रतिदिन एक गिलास पानी से बांस का रखरखाव किया जा सकता है।
- बांस हवा से बेंजीन और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन छोड़ता है।
- बांस को सौभाग्य भी माना जाता है। इसलिए लोग शुभ अवसरों पर एक-दूसरे को बांस उपहार देते हैं।



# औषधीय पौधे

## तुलसी

- भारतीय परंपरा में तुलसी का प्रमुख महत्व है और पूजनीय है।
- सर्दी-खांसी में इसकी पत्तियों का अत्यधिक सेवन किया जाता है।
- हड्डियों की मजबूती और कब्ज के लिए इसकी पत्तियों का सेवन बेहद फायदेमंद होता है।
- इसे सूरज की रोशनी की जरूरत होती है, इसलिए इसे बिना सूरज की रोशनी वाली जगह पर रखना उचित नहीं है।
- सांसों की दुर्गंध को दूर करने में भी तुलसी बहुत उपयोगी है।
- तुलसी कई प्रकार की होती है, राम और श्याम तुलसी हिंदुओं में बहुत लोकप्रिय हैं।





## पुदीना

- घरेलू उपयोग के लिए पुदीने की टहनियों को गमले में लगाने के बीस से पच्चीस दिन में पुदीने के अंकुर निकल आते हैं।
- इसे रोशनी की जरूरत होती है इसलिए इसे बेडरूम या लिविंग रूम में नहीं रखा जा सकता।
- हालाँकि इसे ज़्यादा धूप की ज़रूरत नहीं है। साथ ही इसमें ज्यादा पानी की भी जरूरत नहीं होती है।
- पुदीना चाय से लेकर चटनी या नींबू शर्बत तक हर चीज में काम आता है।
- यह शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। खासतौर पर उल्टी, डकार या पेट दर्द में इसकी पत्तियों का रस बहुत फायदेमंद होता है।
- पुदीने की पत्तियां सांसों की दुर्गंध को दूर करने में भी उपयोगी होती हैं।



## करी नीम

- करी नीम को बड़े गमलों में आसानी से उगाया जा सकता है।
- इसे सामान्य रोशनी की जरूरत होती है, इसलिए इसे ऐसे स्थान पर रखें जहां दिन में एक बार इसे धूप मिलती रहे।
- करी नीम का उपयोग लगभग सभी घरेलू खाना पकाने में किया जाता है।
- यह पाचन में सुधार करता है और रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखता है।
- इसका जूस भी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें आयरन और फोलिक एसिड होता है।
- इसका जूस शरीर को बहुत प्रभावी ढंग से डिटॉक्सीफाई करता है।



## हरी चाय

- ग्रीन टी को बड़े गमले में उगाया जा सकता है।
- हरी चाय को नर्सरी से या घरेलू उपयोग के लिए इसकी कलमों से गमलों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है।
- इसे सूरज की रोशनी की जरूरत होती है, इसलिए ग्रीन टी को ऐसी जगह उगाएं जहां अधिक रोशनी हो।
- इसे नियमित रूप से पानी देने की भी आवश्यकता होती है। इसलिए इसे नियमित रूप से पानी देना होगा।
- ग्रीन टी अपनी ताज़गी के लिए मशहूर है, इसीलिए इसका सेवन चाय में किया जाता है।

## धनिया

- धनिये के बिना भारतीय खाना अधूरा है ।
- इसे गमलों में आसानी से उगाया जा सकता है ।
- यदि आप धनिये के कुछ बीज हाथ में लेकर कुचल दें और उन्हें दो भागों में बांटकर एक गमले में रोप दें और प्रतिदिन थोड़ा-सा पानी दें तो दस दिन में धनिया उग आएगा ।
- यदि आप गमले का आकार थोड़ा बड़ा रखेंगे तो धनिया अधिक उगेगा और घरेलू उपभोग के लिए उपयोगी होगा ।
- धनिया विटामिन ए, पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन सी और मैग्नीशियम से भरपूर होता है ।
- डायबिटीज में भी धनिये का सेवन बहुत फायदेमंद होता है ।
- धनिया कोलेस्ट्रॉल के साथ-साथ आंखों के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है ।



## देशी प्रजातियाँ क्या हैं?

हमें इस बात की बहुत कम समझ है कि वहां बाहरी पेड़ कैसे लगाए जाएं। यही कारण है कि हम बिना सोचे-समझे कुछ भी लगा देते हैं। शहरों में भी अधिकारी अक्सर इस मामले पर ध्यान नहीं दे पाते। लेकिन अगर किसी क्षेत्र की जैव विविधता, हवा और तापमान को संतुलित करना है तो प्रत्येक क्षेत्र में देशी प्रजातियों के पेड़ों का अधिक होना बहुत जरूरी है। देशी प्रजाति के पेड़ वे पेड़ हैं जो सदियों से किसी विशेष क्षेत्र की मिट्टी में प्राकृतिक रूप से उगते हैं। अगर हम गुजरात की बात करें तो हमारे यहां नीम, पीपल, बरगद, इमली, सरगवा, करेन, बादाम, अशोक, बोरसाली, सेतुर या जामुन जैसे पेड़ देशी प्रजाति के पेड़ हैं।

यदि ऐसे पेड़ हमारे आस-पास, सार्वजनिक स्थानों या सोसायटी में या सड़कों के किनारे लगाए जाएं, तो वे जैव विविधता को बहुत लाभ पहुंचाते हैं। इन पेड़ों के कारण गिलहरियाँ, तोते, झींगुर या अन्य पक्षियों की आवाजाही शहरों में भी आसानी से बढ़ जाती है। साथ ही ऐसे पेड़



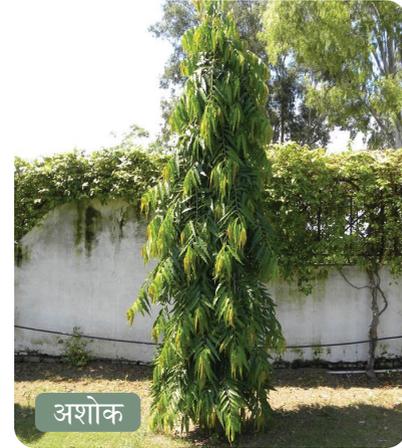
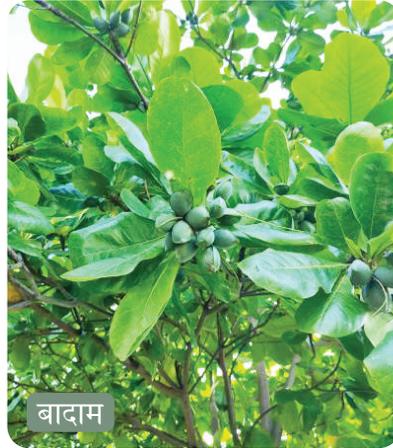
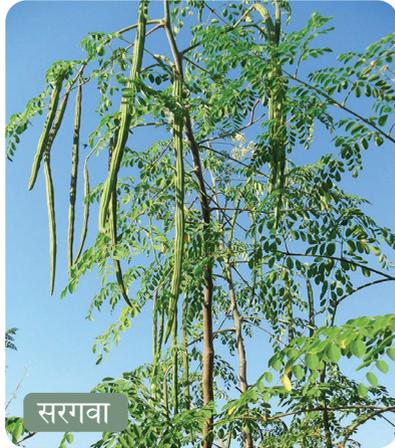
जामुन



नीम

शहर की हवा को साफ़ रखने में भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जिन इलाकों में ऐसे पेड़ बहुतायत में हैं वहां का तापमान अन्य जगहों की तुलना में कम होता है।

अब चुनाव हमारा है कि हम ताजी हवा पाने के लिए अपने आसपास, खेत या फार्म हाउस में देशी प्रजाति के पेड़ लगाएं या केवल सजावटी या गैर देशी पौधे लगाकर अपने स्वास्थ्य और दिमाग को अच्छे स्वास्थ्य से दूर रखें।



## गैर-देशी प्रजातियों की क्या आवश्यकताएँ हैं?

गैर-देशी प्रजातियों के अलावा, सजावटी पेड़ों का हमारी जैव विविधता में लगभग नगण्य योगदान है। साथ ही, इनमें से कुछ पेड़ या पौधे बहुत आक्रामक रूप से बढ़ते हैं, जिसके कारण वे पेड़ या पौधों की मूल प्रजातियों को प्रभावित करते हैं। कोनोकार्पस इन दिनों शहरों में बहुत लोकप्रिय है। तो जिम कॉर्बेट के जंगलों में बाघों के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाला पौधा भी शहर की नर्सरी में फैंसी गमलों में हजारों रुपये में बिक रहा है। लेकिन अगर हम थोड़ी सी भी सतर्कता रखें तो हम और हम अपने क्षेत्र या शहर को गैर देशी या सजावटी प्रजातियों से बचा सकते हैं। जिससे हमारा भूजल खतरे में नहीं पड़ेगा और हमारे शहरों की जैव विविधता भी सुरक्षित रहेगी।



# अधिक से अधिक देशी वृक्ष हमारे आसपास होने चाहिए

पिछे एक जगह पे मैंने पेड़ों की मूल प्रजातियों की सूची साझा की है। लेकिन मैं उस बिंदु पर विस्तार करने के प्रलोभन को नहीं रोक सकता। इसलिए यहां मैं उसी विषय को फिर से एक अलग तरीके से साझा कर रहा हूं। नीम के साथ-साथ करी नीम भी हमारे घर के आसपास जरूर होती है, जिससे हमारे आसपास का तापमान भी काफी कम रहता है, साथ ही देशी गौरैया, काबर या बुलबुल जैसे पक्षियों की आवाजाही भी बढ़ती है। सहजन या सरगवा का पेड़ भी हमारे आसपास जरूर होगा। सरगवा के कारण, मीठा खाने वाले या देवचकाली जैसे पक्षी आते रहते हैं और सरगवा की पत्तियां जिन्हें मोर्नगा और सहजन के नाम से जाना जाता है, एक सुपरफूड हैं और मानव उपभोग के लिए बहुत स्वस्थ हैं..इसके अलावा, मधुमक्खियां और भौरै उस के फूल की ओर आकर्षित होते हैं, जिसके कारण परागण की प्रक्रिया बहुत प्रभावी ढंग से प्रभावित होती है। जामुन भी एक ऐसा फल देने वाला पेड़ है जो आपके आँगन या क्षेत्र में कोयल की आवाज़ लाता है। बोरसाली के पेड़ अपने साथ तोते, कोयल और कौवे की चहचहाट लेकर आते हैं।

जैसा कि पहले कहा गया है, जैव विविधता हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और ये मूल प्रजातियाँ न केवल हमारे आस-पास की सर्वोत्तम जैव विविधता को आकर्षित करेंगी, बल्कि इन पेड़ों के कारण आने वाले पक्षियों की चहचहाहट से हमारे घर में भी अत्यंत सकारात्मक ऊर्जा आएगी।



# क्या हमें सार्वजनिक स्थानों से फूल तोड़ने का अधिकार है?

मैं अक्सर देखता हूँ कि सुबह-सुबह बहुत से लोग लाठियां लेकर निकलते हैं और वे सड़कों पर या घेरों या बगीचों में उगे फूलों को लाठियों के साथ घर ले जाते हैं। मैं नहीं जानता कि भगवान उन पेड़ों से तोड़े गए फूल चढ़ाने से कैसे प्रसन्न होंगे जिन्हें किसी ने लगाया है या जिनकी देखभाल कोई और कर रहा है! लेकिन एक बात तो तय है कि जब ऐसे लोग अपने छोटे से स्वार्थ के लिए पेड़-पौधों को लाठियों से पीटते हैं तो पेड़ों और प्रकृति को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।



मैंने विदेशों में, खासकर जापान में देखा है कि लोगों में इतना आत्म-अनुशासन होता है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर फूलों को छूते भी नहीं हैं। ऐसा करके वे लोग पेड़ और जैव विविधता पर बहुत बड़ा उपकार कर रहे हैं। ऐसे समय में, बाकी सब कुछ विदेश से सीखते हुए, क्या हम सब विदेश से ये भाव नहीं सीख सकते? ताकि हमारे भगवान भी प्रसन्न हों और हमारी जैव विविधता भी प्रसन्न हो!

## इनडोर पौधों के संरक्षण के लिए सामान्य सुझाव

- हमारे पौधों को अधिक पानी देने से बचाने के लिए। पौधों को उतना ही पानी देना चाहिए जितनी मिट्टी में नमी हो। अधिक पानी देने से जड़ सड़ जाती है, जिससे पौधा धीरे-धीरे सड़ जाता है।
- जिस प्रकार हमें सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है, वैसे ही पौधों को भी घर के अंदर होने पर भी सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है। इसलिए अपने पौधों को महीने में एक बार बालकनी या खिड़की पर थोड़ी धूप देना बहुत फायदेमंद होगा।
- पानी में रखे हुए पौधों का पानी हर हफ्ते या दस दिन में बदलें। और अगर बर्तन के नीचे कोई ट्रे है तो उस ट्रे को हर तीन दिन में धोकर साफ करें।
- यदि पौधों की पत्तियाँ पीली पड़ने लगें तो उन्हें काटते रहें और जिन पौधों की पत्तियाँ आवश्यकता से अधिक बड़ी होने लगें, उन्हें काटते रहें।



- पौधों को जड़ों में पानी देने के साथ-साथ छिड़काव की भी जरूरत होती है, इसलिए हर दो या तीन दिन में पौधों की पत्तियों और शाखाओं पर पानी का छिड़काव करें।
- पौधों में आयरन की कमी, ऑक्सीजन की कमी या पोटैशियम की कमी भी हो सकती है, जिसके कारण पौधे सूखने लगते हैं या लंगड़े हो जाते हैं। पौधों को ऐसी कमी से बचाने के लिए आप घर पर ही घोल बनाकर स्प्रे कर सकते हैं।
- इसके लिए आप प्याज और कुछ सोयाबीन को एक कुप्पी पानी में कुछ देर के लिए भिगो दें। फिर इसमें थोड़ा सा सफेद सिरका मिलाएं और घोल को एक स्प्रे बोतल में भर लें और फिर इसे पौधे की जड़ों और पत्तियों पर दस दिन में एक बार स्प्रे करें, जिससे पौधे हमेशा ताजे और हरे रहेंगे।



# 'सत्याग्रह अगेईन्स्ट पोल्युशन एन्ड क्लायमेटचेन्ज' के बारे में

वर्ष 2021 में विरल देसाई द्वारा शुरू किया गया 'सत्याग्रह अगेईन्स्ट पोल्युशन एन्ड क्लायमेटचेन्ज' आंदोलन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बहुत लोकप्रिय हुआ। जिस तरह आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल ने घर-घर जाकर स्वतंत्रता सेनानियों को तैयार करने का काम किया, उसी तरह ग्रीनमैन विरल देसाई ने घर-घर जाकर 'पर्यावरण सैनिक' तैयार करने का संकल्प लिया। साथ ही, उन्होंने अपने पूरे आंदोलन को गांधीजी और सरदार पटेल के मूल्यों पर आधारित किया है, जहां पर्यावरण संरक्षण के बारे में दूसरों को क्या करना चाहिए, इसकी शिकायत करने के बजाय, उन्होंने देश के नागरिकों के लिए दृष्टिकोण की भावना विकसित करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया है। और क्या करना है इसकी समझ।

उनके जागरूकता अभियान से अब तक एक लाख से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। जहां युवाओं ने 'पर्यावरण सेनानी' बनकर अपनी जीवनशैली को पर्यावरण अनुकूल बनाने की कसम खाई है। गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी आधिकारिक तौर पर उनके अभियान में शामिल हो गया है।





## लेखक के बारे में



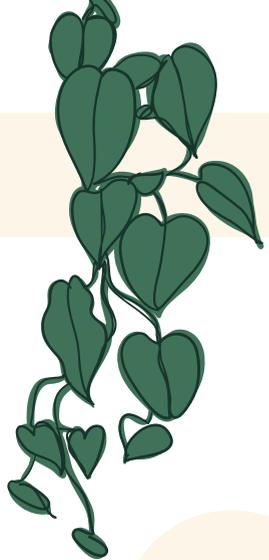
ग्रीनमैन के नाम से मशहूर विरल देसाई पर्यावरण के क्षेत्र में एक बेहद मान्यता प्राप्त और सम्मानित नाम हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण के लिए उन्हें पांच बार राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। जहां उन्हें तीन बार भारत के तीन अलग-अलग राष्ट्रपतियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसलिए उन्हें राज्य सरकार और अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी कई बार सम्मानित किया जा चुका है। अब तक वह करीब 3,50,000 पेड़ लगा चुके हैं। इसलिए 'स्वच्छ भारत हरित भारत', 'ट्री गणेशा' और 'सत्याग्रह अगेईन्स्ट पोल्युशन एन्ड क्लायमेटचेन्ज' जैसे अभियानों ने जागरूकता अभियानों के माध्यम से हजारों युवाओं और नागरिकों को जोड़ा है। उनकी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'आर्किटेक्ट ऑफ अमृतपथ' एक साथ दो भाषाओं में प्रकाशित हुई। पाठकों की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया के कारण इन दोनों पुस्तकों का पहला संस्करण मात्र डेढ़ माह की अवधि में ही पूरा हो गया।



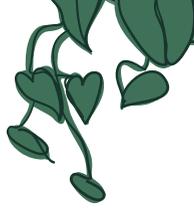
► लेखक की पुस्तक 'आर्किटेक्ट ऑफ अमृतपथ' के विमोचन के अवसर पर

पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण के लिए विभिन्न सम्मान स्वीकार करते हुए लेखक विरल देसाई





# To join Satyagraha Against Pollution Movement



To Know More  
About Viral Desai  
Scan here



मूल्य : 30 ₹

to connect with Viral Desai

 viraldesaiveer

 veerdesai66

 greenmanviraldesai

 veerdesai

 viraldesai.in

Design by  @grafightdesign